Publication Date 01.09.2025
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

HARCOFED

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

वर्ष : 56 | अंक 09 | 1 सितम्बर, 2025 | वार्षिक मूल्य : 500/- | प्रति कापी : 50/-

हरियाणा वार हीरोज शहीदी दिवस पर वीर शहीदों को शत-शत नमन

HARCOFED
Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula
https://www.harcofed.org.in
harcofed@ymail.com

स्वतंत्रता
हार्दिक
शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस समारोह

नशा मुक्त हरियाणा, पर्यावरण संरक्षण व स्वस्थ भारत–स्वस्थ हरियाणा के संकल्प के साथ एमएलए हॉस्टल से विधानसभा तक साइकिल चलाकर जाते एवं आमजन विशेषकर युवाओं को निरंतर स्वस्थ रहने का संदेश देते मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा एवं मंत्रिमंडल व विधानसभा के सदस्य।

15 अगस्त 2025 को 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन, सोनीपत में जिला स्तरीय समारोह के दौरान परेड़ का निरीक्षण करते सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ़ अरविंद कुमार शर्मा।

हरकोफैड की 34वीं वार्षिक आम सभा की बैठक

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
विजयेंद्र कुमार, भा.प्र.से.
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
राजेश जोगपाल, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव शर्मा

सुविचार

जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर सफर कर रहे हैं।

-स्वामी विवेकानन्द

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय	6
तीन राष्ट्रीय सहकारी समितियों से किसानों को मिलेगा सीधा लाभ, डेयरी व बीज क्षेत्र होगा मजबूत	7–9
सहकारी चीनी मिल पानीपत में 150 करोड़ रुपए की लागत से एथनॉल प्लांट लगाया जाएगा	9
पी.पी.पी. मोड पर 7 शूगर मिलों में स्थापित होंगे प्लांट, खोई से बनेगी गिट्टी, थर्मल पावर प्लांट में होगी इस्तेमाल	10
शाहबाद में स्थापित होगी सहकारी क्षेत्र की पहली सूरजमुखी तेल मिल	11
हरकोफैड की 34वीं वार्षिक आम सभा की बैठक का हुआ आयोजन	12–16
हैफेड मुख्यालय में किया गया रक्तदान शिविर का अयोजन	17–18
पंचकुला में लेबरफैड द्वारा किया गया सेमिनार का आयोजन	19–20
हैफेड में लगाया गया हैल्थ चेकअप कैंप	21
हरको बैंक की 58वीं वार्षिक आम सभा की बैठक का हुआ आयोजन	22
मिलिए उभारते सहकार बन्धु श्री अमरीक सिंह पाली से	23
'भारत' टैक्सी सेवा शुरू करेंगी आठ सहकारी समितियां	24
सितम्बर मास के कृषि कार्य	25–29
कविता	30
विज्ञापन	31

E-MAIL
harcofed@ymail.com
harcopress@gmail.com

Website
https://www.harcofed.org.in

सम्पादकीय

देश का अन्नदाता :– किसान

हमारे देश में किसान का महत्व एक सवेंदशील विषय है, जिसे गंभीरता से संभालने की ज़रूरत है। किसान भारतीय समाज की रीढ़ की हड्डी है क्योंकि किसान अपने परिवार व खुद को भूखा रखकर पूरे देश का पेट भरते हैं अर्थात किसान देश का अन्नदाता है। आज भारत के लोग विभिन्न प्रकार के व्यवसायों में लगे हुए हैं, लेकिन कृषि भारत का मुख्य व्यवसाय है। 1970 के दशक से पहले भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं था और खाद्यान्न लाभ का एक बड़ा हिस्सा दूसरे देशों से आयात करना पड़ता था। परन्तु जब हमारे आयात ने हमें ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया तो उस समय के प्रधानमंत्री एवं भारत के महान नेता श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने एक विकल्प खोजा और हमारे किसानों को प्रेरित किया। **'जय जवान जय किसान'** का नारा इन्ही द्वारा दिया गया था। तत्पश्चात् भारत में 'हरित क्रान्ति' की शुरूआत हुई और हम खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर हो गए। किसान अर्थव्यवसथा की प्रेरक शक्ति भी है इसलिए हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस में शामिल है। किसानों का भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 17 प्रतिशत का योगदान होता है जो सब चीजों से अतिरिक्त सबसे ज्यादा है लेकिन निराशाजनक बात यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में किसानों का इतना ज्यादा योगदान होने के बावजूद एक किसान समाज की हर सुख–सुविधा से वंचित है। आज भी बहुत बड़ी सख्या में भारतीय किसानों के पास खुद का घर नहीं है और उनकी हालत अब भी संतोषजनक नहीं है। हालांकि किसान हर फसल पर अपनी पूरी मेहनत करते हैं लेकिन दुर्भाग्य से कई बार उनकी फसल में कभी रोग लग जाता है या तेज बारीश एवं ओलावृष्टि के कारण उनकी साल भर की मेहनत बर्बाद हो जाती है। केन्द्र और राज्य सरकार की अनेक योजनाएं किसानों के हित में चल रही है जिनकी जानकारी भी उनको नहीं हो पाती। समस्या यह भी है कि उन्हें प्रयाप्त साधन के साथ–साथ प्रयाप्त भुगतान भी नहीं किया जा रहा। बहुत ऐसे कारणों को देखते हुए हमारे समाज में किसानों की वर्तमान स्थिति में सुधार की जरूरत है। इसलिए हमारे देश में किसान के समृद्ध भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए हम सभी को उनको समर्थन करना चाहिए। जो किसान अनेको ऋण एवं संघर्षों से घिरे रहने के बावजूद भी कभी खेती करना नही छोड़ते और पूर्ण समाज का पेट भरने के लिए कभी आराम नही करते, हमें देश के एक जिम्मेदार नागरीक के रूप में ऐसे किसान भाईयों के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि हम उनके बिना एक दिन भी अपने जीवन को जी नहीं सकते।

हरकोफैड की अपील है कि हमें किसान के महत्व को समझने की आवश्यकता है एवं उनके लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। किसानों के बगैर हमारे जीवन की कल्पना करना असम्भव है इसलिए उनके साथ हमें देश की सेना जैसा सम्मानजनक व्यवहार करना चाहिए।

तीन राष्ट्रीय सहकारी समितियों से किसानों को मिलेगा सीधा लाभ, डेयरी व बीज क्षेत्र होगा मजबूत

नई दिल्ली । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाने हेतु मंत्रालय की पहलों पर सहकारिता मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल और श्री मुरलीधर मोहोल, समिति के सदस्य, सहकारिता मंत्रालय के सचिव और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकारी समितियों को जीवंत और सफल व्यावसायिक इकाइयों के रूप में परिवर्तित करने के लिए सहकारिता मंत्रालय प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 5 साल में देश में 2 लाख बहुउद्देशीय सहकारी समितियों की स्थापना के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के तहत अब तक 35,395 नई सहकारी समितियाँ बनाई जा चुकी हैं, जिनमें 6,182 बहुद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (MPACS), 27,562 डेयरी और 1,651 मत्स्य सहकारी समितियाँ शामिल हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि भूमिहीन और पूंजीहीन व्यक्ति के लिए सहकारिता क्षेत्र से ही समृद्धि का रास्ता खुल रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र, कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए तीन राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लिमिटेड (NCOL) किसानों के ऑर्गेनिक उत्पादों की प्रमाणिकता, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और उनकी मार्केटिंग सुनिश्चित करती है जिससे किसानों को उनके उत्पादों का अच्छा मूल्य मिल सके। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (NCEL) किसानों के उत्पादों को अतंर्राष्ट्रीय बाजार में निर्यात करने से संबंधित सभी सुविधाएं उपलब्ध कराती है जिसका पूरा मुनाफा किसानों को मिलता है। श्री शाह ने कहा कि भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL)

भारत के परंपरागत बीजों के संरक्षण, संग्रहण और उत्पादन की दिशा में काम करती है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार परंपरागत बीजों के लिए छोटे किसानों के साथ भी अनुबंध करेगी जिससे उन्हें भी इसका फायदा मिल सके।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने समिति के सभी सदस्यों से अपने–अपने राज्यों में डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कहा जिससे सहकारिता को बल मिले। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने पिछले चार वर्षों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS), डेयरी, मत्स्य, सहकारी बैंक, चीनी सहकारी समितियों और शासन प्रणालियों को मजबूत करने – के लिए 100 से अधिक पहल की हैं। – उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी नीति––2025 देश में सतत सहकारी विकास के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रदान करती है। इस रोडमैप में भारत सरकार की योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY), राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) और अन्य के साथ समन्वय भी शामिल है ताकि जमीनी स्तर पर सहकारी इकोसिस्टम को मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के नेतृत्व में श्वेत क्रांति 2.0 के तहत अगले पांच वर्षों में दूध की खरीद को 50% बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक के दौरान सहकारिता मंत्रालय द्वारा समिति को पिछले चार वर्षों में की गई विभिन्न पहलों पर प्रस्तुति दी गई। मंत्रालय की ओर से बताया गया कि प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी के लिए संस्थागत तंत्र जैसे अंतर–मंत्रालयी समिति (IMC), राष्ट्रीय स्तर समन्वय समिति (NLCC), राज्य सहकारी विकास समितियाँ (SCDC), और जिला सहकारी विकास समितियाँ (DCDC) गठित की गई हैं। सहकारिता मंत्रालय द्वारा गई पिछले चार वर्षों में पैक्स, डेयरी, मत्स्य, सहकारी बैंक, चीनी सहकारी समितियों को और शासन प्रणालियों को

मजबूत करने के लिए की गई 100 से अधिक पहलों में डिजिटल सुधार, नीतिगत परिवर्तन, वित्तीय सहायता और संस्थागत क्षमता निर्माण शामिल हैं।

मंत्रालय द्वारा बताया गया कि संसदीय अधिनियम के माध्यम से स्थापित त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया है। यह यूनिवर्सिटी भारत में सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण को एकीकृत और मानकीकृत करेगी तथा सहकारी क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन प्रदान करेगी। सहकारी समितियों के नेतृत्व में श्वेत क्रांति 2.0 के माध्यम से अगले 5 वर्षों में सहकारिता समितियों द्वारा 50: दुग्ध कलेक्शन के लक्ष्य की ओर भी तेजी से बढ़ा जा रहा है। इसके तहत अब तक 15,691 नई डेयरी सहकारी समितियाँ पंजीकृत की गई हैं और 11,871 मौजूदा डेयरी सहकारी समितियों को मजबूत किया गया है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) और 15 राज्यों में 25 मिल्क यूनियनों ने डेयरी सहकारी समितियों में बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने बताया कि जैविक उत्पादों, निर्यात और बीज क्षेत्रों में तीन नई बहु–राज्य सहकारी समितियाँ स्थापित की गई हैं, जिनका उद्देश्य सहकारी मूल्य श्रृंखला में पैमाने, गुणवत्ता और ब्रांडिंग को बढ़ाना है।

परामर्शदात्री समिति ने सहकारी क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए अपने सुझाव साझा किए। मंत्रालय ने ग्रामीण भारत में विकास, समानता और आत्मनिर्भरता के इंजन के रूप में सहकारी समितियों को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सहकारी चीनी मिल पानीपत में 150 करोड़ रुपए की लागत से एथनॉल प्लांट लगाया जाएगा

सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि सहकारी चीनी मिल करनाल, गोहाना, सोनीपत, जींद, पलवल, महम व कैथल में गन्ना पेराई उपरांत बचने वाली खोई से गिट्टी तैयार करने के लिए पी.पी.पी. मोड पर प्लांट लगाए जाएंगे, जिसका बड़ी संख्या में थर्मल पावर प्लांट में इस्तेमाल किया जाएगा। यही नहीं, सहकारी चीनी मिल पानीपत में 150 करोड़ रुपए की लागत से एथनॉल प्लांट लगाया जाएगा, जिसके लिए जल्द टेंडर लगाया जा रहा है। उन्होंने गन्ने के अधीन घटते क्षेत्र पर चिंता व्यक्त करते हुए सहकारी चीनी मिलों के प्रबंध निदेशकों को अपने क्षेत्र में किसानों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए फील्ड में जाने के निर्देश

दिए, ताकि 5 साल पुराने गन्ना उत्पादक किसानों को फिर से मिल के साथ जोड़ा जा सके। उन्होंने इसके लिए समय–समय पर अधिकारियों, कर्मचारियों का प्रशिक्षण करवाने के भी निर्देश दिए।

पी.पी.पी. मोड पर 7 शूगर मिलों में स्थापित होंगे प्लांट, खोई से बनेगी गिट्टी, थर्मल पावर प्लांट में होगी इस्तेमाल

शूगर मिलों में चीनी बैग्स पर ऑनलाइन निगरानी की तैयारी, हर बैग का होगा अपना नंबर

पानीपत चीनी मिल में लगेगा सहकारी एथनॉल प्लांट, टैंडर जल्द

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की अध्यक्षता में शूगर फैडरेशन, हरियाणा और इससे जुड़ी सहकारी चीनी मिलों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें सहकारिता विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार, भा.प्र.से, शुगर फैडरेशन के प्रबंध निदेशक कैप्टन शक्ति सिंह, भा.प्र.से, सहकारी चीनी मिलों के प्रबंध निदेशक उपस्थित रहे।

अधिकारियों द्वारा विस्तृत तरीके से फैडरेशन व सहकारी चीनी मिलों के बारे में रिपोर्ट पेश की गई। बैठक उपरांत डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के मार्गदर्शन में प्रदेश ही सहकारी चीनी मिलों में निरंतर व्यवस्था सुधार को रफ्तार दी जा रही है। उन्होंने पेराई सत्र वर्ष 2024–25 के दौरान 303.81 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई करते हुए शत–प्रतिशत गन्ना उत्पादक किसानों को 1210 करोड़ रुपए जारी करने की सराहना की। आगामी पेराई सत्र वर्ष 2025–26 के लिए सहकारी चीनी मिलों में 343 लाख क्विंटल गन्ना पेराई का लक्ष्य रखा गया है। यही नहीं, चीनी मिलों को पेराई सत्र के लिए तैयार करने के मकसद से अब तक 60 प्रतिशत मैंटीनेंस का काम पूरा हो चुका है।

प्रदेश की सहकारी चीनी मिलों में गन्ना पेराई के बाद बचने वाली खोई की गिट्टी बनाकर थर्मल पावर प्लांट को आपूर्ति करने के मकसद से 7 सहकारी चीनी मिलों में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) पर प्लांट लगाए जाएंगे। इसके लिए शूगर फैडरेशन जल्द ही विशेष कार्य योजना तैयार करेगा।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा के निर्देश पर अब सहकारी चीनी मिलों में चीनी बैग्स पर ऑनलाइन मार्किंग सुनिश्चित की जाएगी। इससे हर बैग का अपना सीरियल नंबर, बैच संख्या, चीनी उत्पादन व चीनी भराई की तिथि भी दर्ज होगी जिससे व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी

शाहबाद में स्थापित होगी सहकारी क्षेत्र की पहली सूरजमुखी तेल मिल

अजराना कलां में मार्कीटिंग बोर्ड की जमीन खरीद के लिए 8.50 करोड़ रुपए मंजूर सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दी मंजूरी, जल्द होगी खरीद प्रक्रिया पूरी

चंडीगढ़, 29 अगस्त (बंसल)रू अब प्रदेश में सहकारी क्षेत्र की पहली सूरजमुखी तेल मिल कुरुक्षेत्र के शाहबाद में स्थापित होगी। इसके लिए सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने शाहबाद से 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गांव अजराना कलां में 8.97 एकड़ जमीन खरीद के लिए साढ़े 8 करोड़ रुपए की राशि को मंजूरी प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि जमीन खरीद की प्रक्रिया को पूरी करने के साथ–साथ मिल स्थापना को लेकर आगामी प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। सहकारिता मंत्री डा अरविंद शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सूरजमुखी उत्पादकों को प्रोत्साहित करने व उनकी फसल की खरीद सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 21 नवम्बर, 2024 को कुरुक्षेत्र जिला के शाहबाद में सूरजमुखी तेल मिल स्थापित करने की घोषणा की थी।

इस संबंध में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मार्कीट कमेटी शाहबाद के गांव अजराना कलां स्थित सबयार्ड के साथ 8.97 एकड़ जमीन खरीद के लिए साढ़े 8 करोड़ रुपए की राशि को मंजूरी प्रदान की है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की पहली सहकारी क्षेत्र की सूरजमुखी तेल मिल की जमीन खरीद की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दे दिए गए हैं। सार्वजनिक–निजी भागीदारी तर्ज पर स्थापित होने वाली इस तेल मिल से कुरुक्षेत्र व आसपास के जिलों के सूरजमुखी उत्पादकों के साथ–साथ प्रदेश के लोगों को बड़ा लाभमिलेगा। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि इसी तर्ज पर विभाग दक्षिण हरियाणा में भी सहकारी क्षेत्र की सरसों तेल मिल स्थापित करने जा रहा है।

हैफेड द्वारा स्थापित की जाने वाली सूरजमुखी तेल मिल स्थापित करने के लिए उपयुक्त जमीन ढूंढने के लिए जिला प्रबंधक हैफेड कुरुक्षेत्र, कार्यकारी अभियंता (मुख्यालय) हैफेड व जिला प्रशासन के प्रतिनिधि की समिति गठित की गई थी। समिति द्वारा सबसे पहले गांव डीग में जमीन की तलाश की गई थी। लेकिन ग्रामीणों द्वारा सहमति नहीं बनने के चलते बिहोली गांव में जमीन देखी गई। इस पर भी कोई सहमति नहीं बनी तो कमेटी ने अजराना कलां में मार्कीट कमेटी के सबयार्ड के पास उपयुक्त जमीन तलाशी, जिसको खरीदने की मंजूरी सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा दी गई है।

हरकोफैड की 34वीं वार्षिक आम सभा की बैठक का हुआ आयोजन

दिनांक 11 अगस्त 2025 को रेड बिशप, पंचकुला के सभागार में हरकोफैड की 34वीं वार्षिक आम सभा की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की शुरूआत हरकोफैड के प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल एवं संयुक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा श्री योगेश शर्मा ने रेड बिशप के प्रांगण में एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण से की।

बैठक में हरकोफैड निदेशक मण्डल के सभी सदस्य, सहकारिता विभाग के अधिकारी, हरियाणा की समितियों/संस्थाओं के मनोनित प्रतिनिधिगण समेत प्रदेश के कोने–कोने से आए लगभग 200 सहकार बंधुओं ने हिस्सा लिया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों की सिफारीश पर दि केंद्रीय सहकारी बैंक, करनाल के चेयरमैन श्री सुरेश कुमार बराणा को प्रोटेम अध्यक्ष नियुक्त किया गया और उन्होने हरकोफैड की 34वीं वार्षिक आम सभा की बैठक की अध्यक्षता की।

अध्यक्ष के रूप में श्री सुरेश कुमार बराणा ने माँ सरस्वती की अराधना के साथ दीप प्रज्वलित कर बैठकी की शुरूआत की। प्रबंध निदेशक हरकोफैड ने पुष्पगुच्छ देकर प्रोटेम अध्यक्ष का अभिवादन किया एवं बैठकी की कार्यवाही की अनुमति ली। प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल ने मंच से बैठक के एजेंडों को सभी के समक्ष रखा जिसे बैठक के सभी सदस्यों ने सर्वसहमती से हाथ उठाकर पास किया।

प्रबंध निदेशक ने मंच से वित्तीय वर्ष 2024–2025 में हुए हरकोफैड द्वारा किए गए कार्यों एवं सहकारिता विभाग हरियाणा की उपलब्धियों के विषय में सभी को अवगत करवाया। उन्होने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने आधिकारिक तौर पर वर्ष 2025 को संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (IYC–2025)

के रूप में घोषित किया है और इस वर्ष को महत्वपूर्ण बनाने के लिए पूरे वर्ष ग्रामीण, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सहकारिता विभाग हरियाणा के सहयोग से हरकोफैड समय–समय पर अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है जिससे सहकार से समृद्धि के सपने को साकार किया जा सके और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाई जा सके।

विशेष तौर पर हरकोफैड द्वारा वर्ष 2024 में 14 से 20 नवंबर तक सहकारिता सप्ताह का आयोजन राज्य स्तर पर करवाया गया, जिसका शुभारंभ समारोह 15 नवंबर 2024 को रोहतक में सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द कुमार शर्मा एवं समापन समारोह 21 नवंबर 2024 को गुरूग्राम में माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी जी के नेतृत्व में बड़ी धूम–धाम के साथ मनाया गया। इसी वर्ष माननीय सहकारिता मंत्री हरियाणा द्वारा गोहाना से सहकारिता जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई, जिसे हरकोफैड द्वारा 26 दिसंबर 2024 को गोहाना में आयोजित किया गया। इस वर्ष हरकोफैड द्वारा 5 जुलाई 2025 को पंचकूला में माननीय मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस भी राज्य स्तर पर मनाया गया। IYC–2025 के अंतर्गत हरकोफैड द्वारा पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को बड़े स्तर पर मनाया गया जिसमें हरियाणा के प्रत्यके जिले में जिला स्तर पर 5 कार्यक्रम आयोजित किए

गए। सरकार द्वारा पर्यावरण के हित में चलाए गए एक पेड़ माँ के नाम अभियान को भी हरकोफैड द्वारा त्योहार की तरह मनाया गया जिसके तहत पूरे हरियाणा में 1100 पौधे लगाए गए। युवा पीढ़ी को भी सहकारिता के जोड़ने के लिए संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन भी करवाया गया है।

सहकारिता विभाग हरियाणा ने सहकार से समृद्धि का जिम्मा जोरों शोरों से उठाया हुआ है जिसमें सहकारी संस्थाओं को अधिकाधिक महत्व दिया जा रहा है। साथ–साथ हरकोफैड ने भी सहकारी शिक्षा, सहकारी सिद्धान्त एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता एवं सक्रिय सदस्यता के सफल प्रयासों को पूर्ण किया है और आगे भी सहकारिता के विशाल पथ पर नई नितियों को साकार रूप देने का कार्य कर रहा है।

उन्होने कहा कि सहकारिता विभाग हरियाणा की सभी संस्थाओं की उपलब्धियां सराहनीय हैं और उन द्वारा सहकारिता के उज्जवल भविष्य के लिए निरंतर विकासशील कार्य किए जा रहे हैं।

हैफेड : द्वारा किसानों को विपणन व कृषि सहकारी समितियों के माध्यम से बेहतर गुणवत्ता के बीज, खाद, कीटनाशक व दैनिक उपयोग की वस्तुओं की आपूर्ति करवाते हुए, भण्डारण की सुविधा जैसे अनेक किसान हितैषी कार्य किये जा रहे हैं।

डेयरीफैड द्वारा मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत सहकारी दुग्ध उत्पादकों को भैंस व गाय दोनों के दूध पर अप्रैल से सितंबर तक 5 रूपये प्रति लीटर व अक्तूबर से मार्च तक 3 रूपये प्रति लीटर के हिसाब से प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। दुग्ध उत्पादक समितियों के दुग्ध उत्पादकों के बच्चों के लिए 10वीं व 12वीं कक्षा में 80 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त करने पर छात्रवृति योजना के तहत क्रमशः 2100 रूपये व 5100 रूपये दिये जाते हैं। दुग्ध उत्पादकों को उनकी बेटी की शादी पर कन्यादान योजना के अन्तर्गत 1100 रूपये दिये जा रहे हैं।शुगर फेडरेशन हरियाणा सरकार द्वारा पिराई सत्र 2024–25 के लिए किसानों को गन्ने का लाभकारी राज्य सुझावित मूल्य 400/–रूपये प्रति क्विंटल दिया गया। गत वर्षों में सहकारी चीनी मिलों की पिराई क्षमता में लगभग 23 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 24800 टन गन्ना प्रतिदिन से बढ़ाकर 30650 टन गन्ना प्रतिदिन की गई है व खरीद–फरोख्त में पारदर्शिता लाने के लिए शुगरफैड एवं सहकारी चीनी मिलों में ई–खरीद प्रणाली लागू की गई है।

मुझे यह बताते हुए हर्ष है कि करनाल सहकारी चीनी मिल्स को 3 जुलाई 2025 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय सहकारी चीनी उद्योग प्रसंघ द्वारा आयोजित सहकारी चीनी उद्योग कॉन्क्लेव 2025 व राष्ट्रीय दक्षता सम्मान समारोह में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और परिचालन उत्कृष्टता के के सम्मान में तकनीकी दक्षता क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

हरको बैंक : द्वारा इलेक्ट्रिक रिक्शा / इलेक्ट्रिक लोडर लोन योजना का शुभारंभ किया गया। यह

योजना अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 अभियान के अंतर्गत शुरू की गई है। इस योजना में वितरित ऋण पर ब्याज दर मात्र 10.75% से शुरू होगी, जो बेहद किफायती है। ई–रिक्शा या ई–लोडर खरीदने हेतु ग्राहकों को 85% तक लोन प्रदान किया जायेगा और ग्राहकों के लिए 36 आसान मासिक किस्तों (EMI) तक पुनर्भुगतान की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन योजनाः–जून 2025 तक बुढ़ापा पेंशन सम्बंधी 3,60,069 खाते केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा खोले व अपलोड किये जा चुके हैं और केन्द्रीय सहकारी बैंकों की शाखाओं व पैक्सों के माध्यम से बिना परेशानी के सफलतापूर्वक पेंशन वितरित की जा रही है।

प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (PAC) के सदस्यों को 7% की दर से फसली ऋण प्रदान किया जाता है, जिसमें राज्य सरकार द्वारा समय पर अदायगी करने वाले किसानों को 4% की दर से 01.09.2014 से ब्याज में राहत प्रदान की जा रही है, इसी प्रकार भारत सरकार द्वारा भी फसली ऋण की समय पर अदायगी करने वाले किसानों को 3% की ब्याज राहत प्रदान की जा रही है। इस प्रकार समय पर फसली ऋण की अदायगी करने वाले किसानों के लिए प्रभावी ब्याज दर (7%–4%–3%–0%) शून्य है। इस योजना में अब तक 5,80,562 किसानों को लगभग 1182 करोड़ रूपये की ब्याज राहत प्रदान की गई है।

हाऊसफैड : हरियाणा के लोगों को भवन निर्माण हेतु ऋण प्रदान करती है। संस्था की प्राथमिक सहकारी आवास निर्माण समितियोंध्सहकारी ग्रुप हाऊसिंग समितियोंध्व्यक्तिगत सदस्यों के माध्यम से संपत्ति को गिरवी रख कर ऋण प्रदान करने में अहम भूमिका रही है। प्रसंघ के गठन से अब तक लगभग 21,000 से अधिक लाभार्थियों को भवन निर्माण हेतु ऋण दिया जा चुका है। आवास प्रसंघ वर्ष 2012–13 से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्ग के लोगों को शहरी क्षेत्र में भवन निर्माण हेतु सरकार द्वारा स्वीकृत योजना के अंतर्गत ऋण प्रदान करती है। ऋण 7ः वार्षिक ब्याज पर दिया जाता है व ऋण की अधिकतम सीमा 12.50 लाख है। ऋण की वसूली 10 वर्षों में 40 समान त्रैमासिक किस्तों में की जाती है। समितियों व सदस्यों को राहत देते हुये सरकार द्वारा स्वीकृत एक मुश्त कर्ज निपटान योजना के अंतर्गत वर्ष 2024 में गृह निर्माण समितियोंध्ग्रुप हाउसिंग समितियों एवं ऐसोसियेट सदस्यों से 13 करोड़ रूपये की वसूली की गई है।

एच.एस.सी.ए.आर.डी.बी. :– समय पर ऋण अदा करने पर ब्याज माफी प्रोत्साहन योजनाः समय पर पुनर्भुगतान पर ब्याज सहायता योजना वर्ष 2014 में राज्य सरकार द्वारा डी.पी.सी.ए.आर.डी.बी. के नियमित भुगतान करने वाले सदस्यों के लिए शुरू की गई थी, जो 31.03.2024 तक प्रभावी रही। इस योजना के तहत 25.08.2014 से 31.12.2024 तक 137753 ऋणी किसानों ने 111.22 करोड़ का लाभ प्राप्त किया है। अब, राज्य सरकार ने इस योजना को 31.03.2025 तक बढ़ाने की मंजूरी प्रदान कर दी है। योजना को 31.03.2026 तक बढ़ाने का प्रस्ताव 31.01.2025 को राज्य सरकार को भेजा गया है।

लेबरफैड : हरियाणा सरकार द्वारा प्राथमिक सहकारी श्रम एवं निर्माण समितियों को लेकर विशेष कदम उठाए गए हैं। पहले लेबर सोसाइटिज़ के लिए सभी विभागों में कुशल व अकुशल कार्य 50 लाख रूपये तक की राशि के लिए आरक्षित थे, जिसकी राशि हरियाणा सरकार की अधिसूचना द्वारा जून 2025 से 1.00 करोड़ रूपये तक कर दी गई है। इसके अलावा हरियाणा सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों और शहरी स्थानीय निकायों में सफाई से संबंधित 60 लाख रूपये तक की राशि के

सभी कार्य सहकारी श्रम निर्माण समितियों के लिए आरक्षित किए गए हैं, जिसमें सभी महिला एवं अनुसूचित जाति के सदस्य शामिल होंगे। हमारे लिए बड़े हर्ष का विषय है कि वर्ष 2024–2025 में सहकारी श्रम निर्माण समितियों द्वारा 845 करोड़ की राशि के कार्य किए गए हैं और इसी वर्ष सहकारी श्रम निर्माण समितियों से पूरे हरियाणा में किए गए कार्यों द्वारा लेबरफैड को 11 करोड़ की धन राशि चंदे के रूप में प्राप्त हुई है।

हरकोफैड विभिन्न सहकारी संस्थाओं और राज्य सरकार के बीच एक संपर्क एजेंसी के रूप में कार्य करती है।

वित्तीय वर्ष 2024–2025 में हरकोफैड द्वारा शिक्षण एवं प्रशिक्षण के अंतर्गत 767 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसके तहत 47727 सदस्यों को सम्मिलित किया गया।

हरकोफैड द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका "हरियाणा सहकारी प्रकाश" को अधिक रूचिकर बनाने के लिए इसमें सहकारिता मंत्रालय द्वारा समय–समय पर चलाई जा रही किसान विभिन्न प्रकार की योजनाएं, सहकारी कानून एवं योजनाएं, सफलता की कहानियाँ, प्रमुख सहकारों के विचार तथा सहकारी क्षेत्र सम्बन्धी लेख व अन्य रोहचक पाठ्यसामग्री को भी सम्मिलित किया गया है। इसके अतिरिक्त पत्रिका को हरियाणा की लगभग सभी पंचायतों को पत्रिका की सदस्यता देने पर भी कार्य किया जा रहा है। पत्रिका की सदस्यता को सुलभ व जन–जन तक पहुंचाने के लिए ऑनलाइन सदस्यता प्रकिया बनाने की योजना बनाई जा रही है जिससे कोई भी व्यक्ति घर बैठे इस प्रत्रिका का लाभ ले सकता है।

हरकोप्रैस द्वारा वर्ष 2024–25 के दौरान 2 करोड़ 40 लाख रूपये की बिक्री की गई। इसके अतिरिक्त हरकोप्रैस के आधुनिकीकरण करने की परियोजना पर भी कार्य किया जा रहा है ताकि सहकारी प्रैस के कार्य में विस्तार किया जा सके।

उन्होने कहा कि ये सब माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी के नेतृत्व में एवं सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा जी की अध्यक्षता में हरियाणा के निरन्तर प्रगति पथ पर आगे बढ़ने की यात्रा है।

उन्होनें मंच से सभी से आह्वान किया कि सहकारिता को जनांदोलन का रूप दें, युवाओं को सहकारिता से जोड़ें, महिलाओं को भागीदारी व नेतृत्व के अधिक अवसर दें, पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

हैफेड मुख्यालय में किया गया रक्तदान शिविर का अयोजन

पंचकूला 13.8.2025 – अस्पतालों में रक्त कॉम्पोनेंट्स की कमी को पूरा करने हेतु हैफेड द्वारा श्री शिव कावड़ महासंघ चौरिटेबल ट्रस्ट, पंचकूला, निफा चंडीगढ़, जिला रेडक्रास सोसायटी पंचकूला एवं ब्लड बैंक, सिविल हॉस्पिटल पंचकूला के सहयोग से हेफेड मुख्यालय, सेक्टर 5, पंचकूला में मरीजों की सहायता के लिए रक्तदान जागरूकता शिविर लगाया गया।रक्तदान जागरूकता शिविर में 129 लोगों ने रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर का उद्घाटन सहकारिता विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्रा कुमार, भा.प्र.से एवं हैफेड के प्रबंध निदेशक, श्रीं मुकुल कुमार भा.प्र.से की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वह इस नेक कार्य में बढ़–चढ़कर भाग लें और एक स्वस्थ व्यक्ति का इंसानी, नैतिक और सामाजिक दायित्व बनता है कि वह स्वंयं को रक्तदान के लिए तैयार रखें। रक्तदान कर हम किसी की जिंदगी बचा सकते हैं और हमारे रक्त का कुछ अंश किसी के जीवन को सुखमय बना सकता है। हम उसके

जीवन की रक्षा कर सकते हैं जो जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है। इस पूरे शरीर में एक छोटी सी ज्योति के कारण हम जीवित हैं। यदि किसी कारणवश यह ज्योति बुझने वाली हो और कोई इसमें तेल रूपी रक्तदान दे, तो ज्योति जलने में समर्थ होगी और उसे नया जीवन मिलेगा।

रक्तदान शिविर में हैफेड के सचिव श्री योगेश कुमार, भा.प्र.से ने रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र, स्मृति चिन्ह, हेफेड के उत्पाद एवं बेज लगाकर सम्मानित किया।

श्री शिव कावड़ महासंघ चौरिटेबल ट्रस्ट के डायरेक्टर रमेश नारंग एवं प्रधान राकेश कुमार संगर ने बताया कि आजकल लगभग सभी अस्पतालों में रक्त एवं रक्त कंपोनेंट्स की बहुत कमी है और रक्तदान का मकसद उन मरीजों की मदद करना है, जिनकी जिंदगी की डोर रक्त की कमी से कमजोर पड़ जाती है और हमारी संस्था द्वारा लगभग हर रोज रक्तदान शिविर लगाकर रक्त की कमी को पूरा करने का प्रयास किया जाता है।

इस अवसर पर श्री शिव कांवड़ महासंघ चौरिटेबल ट्रस्ट के दीपक शर्मा, लक्ष्मण सिंह रावत, राजीव शर्मा, एनएन पुरी, विनीत जगोता, सतगुरु प्रसाद, दिव्या गुप्ता एवं अन्य सदस्य और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रबंध निदेशक हैफेड ने यह संदेश दिया कि हम सभी को रक्तदान अपनी आदत में लाना चाहिए और रक्तदान संबंधित जानकारियां लोगों को देनी चाहिए।

रक्तदान है महादान, ये जन-जन को समझाएँ।
लहु की हर इक बूँद-बूँद को, परहित में ही लगाएँ

पंचकुला में लेबरफैड द्वारा किया गया सेमिनार का आयोजन

पंचकुला दिनांक 05.08.2025 को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह, सैक्टर–1, पंचकुला में सहकारिता विभाग हरियाणा की लेबरफैड द्वारा अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 अभियान के अंतर्गत सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में हरियाणा के लगभग प्रत्येक जिला लेबरफैड के चेयरमैन, निदेशक व सहकारी श्रम एवं निर्माण समितियों के सदस्यों ने भाग लिया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य श्रम एवं निर्माण समितियों के सदस्यों/निदेशकों के बीच जागरूकता पैदा करना

एवं हरियाणा सरकार द्वारा सहकारी श्रम एवं निर्माण समितियों के लिए जारी की गई राजपत्र अधिसूचना की जानकारी देना था। सेमीनार को तीन सत्रों में विभाजित किया गया जिसमें पहले ऑनलाईन टेंडर प्रक्रिया के विषय में स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा की टीम द्वारा व्याख्यान दिया गया, दूसरा प्रबंध निदेशक लेबर फैडरेशन एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा विरेन्द्र कुमार द्वारा हरियाणा सरकारी की अधिसूचना के विषय में जानकारी दी गई जिसमें उन द्वारा यह बताया गया कि हरियाणा सरकार द्वारा पहले प्राथमिक सहकारी श्रम एवं निर्माण समितियों के लिए सभी विभागों में कुशल व अकुशल कार्य 50 लाख रूपये तक की राशि के लिए आरक्षित थे जिसकी राशि हरियाणा सरकार की अधिसूचना द्वारा जून 2025 से 1.00 करोड़ रूपये तक कर दी गई है जो कि सहकारी श्रम एवं निर्माण समितियों के हक में महत्वपूर्ण कदम है, तीसरा हरकोबैंक के महाप्रबंधक अशोक वर्मा द्वारा क्रेडिट सुविधा के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर संयुक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा श्री नरेश गोयल, श्री योगेश शर्मा, उपमंडल अधिकारी लेबरफैड अमन धीमान, प्रचार अधिकारी हरकोफैड सौरव अत्री उपस्थित रहे।

हरकोफैड के प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल हरकोप्रैस की समीक्षा बैठक करते हुए।

हैफेड में लगाया गया हैल्थ चेकअप कैंप

पार्क ग्रेशियन अस्पताल, मोहाली ने स्व. शकुंतला देवी मेमोरियल चौरिटेबल ट्रस्ट (संस्थापक मनोज बामनिया) के सहयोग से हैफेड मुख्यालय, सेक्टर–5 पंचकूला में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। यह कैंप 'हम हैं ना' प्रोजेक्ट के तहत आयोजित किया गया, जिसमें 120 से अधिक कर्मचारियों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। इस हेल्थ कैंप में ई.एन.टी, नेत्र रोग, त्वचा रोग, और पोषण व मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं प्रदान की गई। अस्पताल की विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने शिविर स्थल पर ही हेल्थ स्क्रीनिंग और काउंसलिंग की।

शिविर का उद्घाटन हैफेड के प्रबंध निदेशक श्री मुकुल कुमार भा.प्र.से, सचिव श्री योगेश कुमार भा.प्र.से एवं एडिशनल जी.एम. श्री विकास देसवाल द्वारा किया गया। पार्क अस्पताल, मोहाली की ओर से जॉइंट डायरेक्टर प्रिय रंजन और दीपक कुमार ने कैंप की अगुवाई की। इस मौके पर पार्क ग्रेशियन अस्पताल, मोहाली की ओर से जानकारी दी गई कि अस्पताल ट्राइसिटी की सबसे मजबूत क्रिटिकल केयर टीम के साथ 24७7 इमरजेंसी और आईसीयू सेवाएं उपलब्ध कराता है। अस्पताल अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है और रॉबोटिक सर्जरी की सुविधाएं ऑथोपेंडिक्स, गायनेकोलॉजी, बेरिएट्रिक सर्जरी और रीनल ट्रांसप्लांट जैसी जटिल सर्जरी के लिए उपलब्ध हैं। यहाँ रोगियों को मिनिमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए तेज रिकवरी और कम दर्द के साथ बेहतरीन इलाज मिलता है।

कार्यक्रम में पार्क अस्पताल, मोहाली की टीम ने बताया कि नियमित स्वास्थ्य जांच समय रहते बीमारियों की पहचान में मदद करती है और गंभीर जटिलताओं से बचाव संभव होता है।

पार्क अस्पताल, मोहाली भविष्य में भी इसी तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर समाज सेवा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

हरको बैंक की 58वीं वार्षिक आम सभा की बैठक का हुआ आयोजन

हरको बैंक की 58वीं वार्षिक आम सभा की बैठक में श्रीमती निवेदिता तिवारी, मुख्य महाप्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय नाबार्ड, हरियाणा को आमसभा की चेयरपरसन चयनित किया गया व उनकी अध्यक्षता में आमसभा की बैठक बैंक के सभागार कक्ष सैक्टर–17–बी,चण्डीगढ़ में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर बैंक के प्रबंध निदेशक डॉ. प्रफुल्ल रंजन ने माननीया चेयरपरसन श्रीमती तिवारी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया तत्पश्चात माननीया चेयरपरसन द्वारा श्रीमती किरण लेखा वालिया वित सलाहकार व श्रीमती सुमन बल्हारा, अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा, पंचकूला व विभिन्न केन्द्रीय सहकारी बैंकों से आये हुये सभी प्रतिनिधियों व हरको बैंक के निदेशक मंडल के सदस्यों का स्वागत किया । श्री अशोक कुमार वर्मा महाप्रबंधक द्वारा माननीय प्रबंध निदेशक हरको बैंक का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया तथा बैंठक की कार्यवाही का संचालन किया गया बैठक के दौरान सभी 06 एजेंडो पर विचार करके सर्व सम्मति से पारित किया गया । ।

आमसभा की चेयरपरसन मुख्य महाप्रबंधक क्षेत्रीय कार्यालय, हरियाणा, नाबार्ड श्रीमती निवेदिता तिवारी ने बताया कि हरको बैंक ने वर्ष 2024–25 के दौरान मु0.82.89 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है । बैंक की अमानतें वर्ष 2024–25 में 3436.86 करोड़ रूपये हैं और बैंक की हिस्सापूंजी 322.67 करोड़ रूपये है तथा बैंक की कार्यशील पूंजी वर्ष 2024–25 में मु0.11714.88 करोड़ रूपये हैं । राज्य के लोगों को त्वरित एवं बेहतर सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से हरको बैंक व प्रदेश के 19 जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों तथा इनकी सभी शाखाओं में कोर बैंकिंग प्रणाली (CBS), RTGS, NEFT ने बताया कि भारत सरकार, सहकारिता मंत्रालय ने पैक्सों को व्यवहार्य बनाने और ग्रामीण जन & SMS Alert, ATM, Micro ATM कार्ड सुविधा, मोबाईल बैंकिंग वैन व हरको बैंक द्वारा Paytm, Phonepay, GPay ऐप्स पर UPI की सुविधा अपने ग्राहको देनी प्रारम्भ कर दी गई है। श्रीमती तिवारी के दरवाजे पर आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न कदम उठाएं है, जिनमें हरियाणा राज्य में 749 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र, 410 सामान्य सेवा केन्द्र अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा 95 जन ओषधि केन्द्रों को स्वीकृति प्राप्त हो चुकी हैं, जिसमें से 9 केन्द्रों को दवा लाईसेंस तथा स्टोर कोड मिल चुके और 7 संचालित हैं ।

बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक डॉ. प्रफुल्ल रंजन ने कहा कि हरको बैंक द्वारा अपने ग्राहको को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के अंतर्गत विभिन्न ऋण योजनाएं चलाई जा रही हैं और ग्राहकों को प्लेटिनम कार्ड जारी किये जा रहे हैं, जिसमें 2 लाख रूपये का बीमा निहित है तथा 5 लाख रूपये तक प्रतिदिन लेनदेन कर सकते हैं तथा इसके साथ–साथ घरेलू एयरपोर्ट पर मात्र 2/– रूपये का भुगतान करके लाउंज इत्यादि सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं ।

इस अवसर पर श्रीमती किरण लेखा वालिया, वित्त सलाहकार, श्रीमती सुमन बल्हारा, अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, हरियाणा, पंचकूला, श्री रमेश कुमार पुनिया, महाप्रबंधक ने भी सभा को सम्बोधित किया व बैंक को आगे बढ़ाने का आह्वान किया ।

मिलिए उभारते सहकार बन्धु

श्री अमरीक सिंह पाली से

सहकारी संस्थाओं के उत्थान विकास में युवा एवं कर्मठ सहकारी नेतृत्व का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सहकारी आन्दोलन का मुख्य ध्येय आपसी सहयोग से समान विचारधारा तथा समान उद्देस्यों के लिए एकत्रिक होकर अपने सदस्यों का सामाजिक–आर्थिक विकास करना है। सहकारी आन्दोलन ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सराहनीय भूमिका निभाई है। सरकार की जन–हितैषी नीतियों ने लागू करने में सहकारी संस्थाओं का बढ़िया योगदान रहा है। इन संस्थाओं के उत्थान विकास व संचालन में सहकार बंधुओं ने अपना सराहनीय योगदान दिया है।

ऐसे ही उबरते सहकार है श्री अमरीक सिंह पाली, इनका जन्म 15 अगस्त 1964 को गांव पाली (हिसार) में हुआ। इन्होंने वर्ष 1991 से 1994 व 2000 तक गांव के सरपंच के रूप में गांव की सेवा की है। आप ने वर्ष 1984 से वाइडअप पड़ी समिति (पाली) को रिवाइब कराकर समिति को पुनः चालू करवाया। इस समिति के उत्थान में आप का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

वर्ष 1986 में अप दि पाली सहकारी ऋण एवं सेवा समिति लि. की प्रबंधक कमेटी में चुनकर आए ओर लगातार प्रधान पद पर कार्यरत रहे है। वर्ष 2000 में आप हरको बैंक में प्रतिनिधी सदस्य के रूप में चुने गये और प्रतिनिध सदस्य के रूप में भी आपका कार्य सराहनीय रहा। वर्ष 1992 में आप हिसार जिला केंद्रीय सहकारी बैंक हिसार में अपने निदेशक के रूप में लगातार तीन योजना कार्य किया है। इसके उपरांत एक अक्टूबर 2006 में सरकार द्वारा मिनी बैंक को मिलाकर माँढ़ा पैक्स का गठन किया गया। पैक्स का गठन होने के बाद से आज तक पैक्स की प्रबंधक कमेटी के प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रहे है। इसके अतिरिक्त मार्च 2018 से आप पैक्स के प्रधान पद पर निर्वाचित हो तथा 2023 में पुनः पैक्स के प्रधान पद पर चुने गये हो।

इफको के प्रतिनिधि महासभा के तोर पर वर्श 2001 में पहली बार निर्वाचित हुए। इफको की आमसभा जो नई दिल्ली में स्थित भारत मंडप, प्रर्गती मैदान में दिनांक 29.05.2025 को सहकारिता बंधू पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया है।

उभरते व अनुकरणीय सहकार श्री अमरीक सिंह ने मार्च 2020 में कोरोना महामारी के दोरान पैक्स की और से अप मंडल अधिकारी (एस डी एम) नारनौद माध्यम से मुख्यमंत्री राहत कोष में 111000/– रूपए (एक लाख ग्यारह हजार रूपए) तथा प्रधानमंत्री कोरोना राहत कोष में 111000/– का योगदान देकर समाज सेवा का सराहनीय कार्य किया है। कर्मठ, ईमानदार सहकार के प्रयाशो से ही आज समिति लगभग 2.50 करोड़ रूपए के मुनाफे में है। इसके साथ ही समिति के पास अन्य फण्ड भी पर्याप्त है। इसके आलव समिति में सदस्यों की लगभग 2.69 करोड़ रूपए 31.03.2025 में अमानत के रूप में जमा है।

दि माँढ़ा पैक्स लि. माँढ़ा जिला हिसार को अन्तरराष्ट्रीय वर्ष 2025 के उपलक्ष में नाबार्ड हरियाणा द्वारा दिनांक 16.07.2025 को उत्कृष्ट कार्य करने पर समानित किया गया है।

श्री अमरीक सिंह के मार्गदर्शन में ही 6 जुलाई 2019 को पैक्स को हरियाणा राज्य में पहला स्थान हासिल हुआ है, जिसके लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदया द्वारा समानित किया गया है और इसके साथ ही 2019 से लगातार 2024 तक हर वर्ष पहला स्थान हासिल कर रही है और हर बार हर वर्ष समानित किया जा रहे है इस प्रकार से पैक्स ने अन्य सहकारो के लिए एक अनुकरणीय उधारण प्रस्तुत किया है। यह सब आपकी अथक मेहनत और प्रयास से ही संभव हुआ, किस प्रकार से एक समिति का उत्थान कर उसे बुलन्दियों तक पहंचाया है कहा भी गया, जहाँ चाह वहा राह।

'भारत' टैक्सी सेवा शुरू करेंगी आठ सहकारी समितियां

नई दिल्ली : भारत का सहकारी क्षेत्र इस साल के अंत तक भारत ब्रांड के तहत टैक्सी सेवा शरू करके ओला और उबर जैसी दिग्गज कम्पनियों को चुनौती देने के लिए तैयार है। इस सेवा को 300 करोड़ रूपये की अधिकृत पूंजी प्राप्त है और चार राज्यों में 200 ड्राइवरों (चालकों) को पहले ही इससे जोड़ा जा चुका है। छह जून को पंजीकृत बहु–राज्य सहकारी टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (इनसीडीसी), भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) और गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) सहित आठ प्रमुख सहकारी समितियों के एक संघ का प्रतिनिधित्व करता है।

पिछले महीने, सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस क्षेत्र के लिए एक व्यापक सहकारी नीति का अनावरण करते हुए सकेत दिया था कि 2025 के अंत तक एक सहकारी टैक्सी सेवा शुरू की जाएगी। एनसीडीसी के उप प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता ने पीटीआई–भाषा को बताया, ''मुख्य उद्देश्य ड्राइवरों को बेहतर रिटर्न सुनिश्चित करना और यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और किफायती सेवाएं प्रदान करना है।''

यह उद्यम बिना किसी सरकारी हिस्सेदारी के संचालित होता है और पूरी तरह से सहभागी सहकारी समितियां द्वारा वित्त पोशित है। इसके संस्थापक सदस्यों में कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (कृभको), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) भी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि लगभग 200 चालक पहले ही सहकारी समिति में शामिल हो चुके हैं, जिनमें से 50–50 दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से हैं। सहकारी समिति अपने नेटवर्क का विस्तार करने के लिए अन्य सहकारी संगठनों से सक्रिया रूप से संपर्क कर रही है। सहकारी संस्था ने 'राइड–हेलि' ऐप विकसित करने के लिए एक प्रौद्योगिकी साझेदार चुनने हेतु एक निविदा जारी की है।

गुप्ता ने कहा ''हम कुछ ही दिनों में प्रौद्योगिकी साझेदार को अंतिम रूप दे देंगे।'' उन्होंने आगे कहा कि ऐप दिसंबर तक तैयार होने की उम्मीद है। इस आखिल भारतीय मंच के लिए विपणन रणनीति तैयार करने हेतु एक प्रौद्योगिकी सलाहकार और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम)– बेंगलुरू को शामिल किया गया है।

सितम्बर मास के कृषि कार्य

फसलों में

पहले पखवाड़े में सिट्टे आने पर भारी जमीन में प्रति एकड़ 28 किलाग्राम यूरिया देकर सिंचाई करें और रेतीली ज़मीन में पानी देने के बाद बत्तर आने पर यूरिया डालें और गोड़ी करें। इसके लिए पहिए वाले कसौले का प्रयोग करें। पछेती बोई फसल में पत्तों पर भूरे दाग दिखाई दें तो 0.5 प्रतिशत ज़िंक सल्फेट व 2.5 प्रतिशत यूरिया का घोल छिड़कें (जिसके लिए एक किलाग्राम ज़िंक सल्फेट, 5 किलाग्राम यूरिया तथा 200 लीटर पानी के घोल का प्रयोग करें) कम से कम दो छिड़काव 10–12 दिन के अंतर पर हमेशा ओस उतरने के बाद करें। यदि वर्शा की संभावना हो तो उस दिन छिड़काव न करें। यदि वर्शा की संभावना हो तो उस दिन छिड़काव न करें। घोल बनाते समय 10–12 लीटर पानी में पहले जिंक सल्फेट को घोलें, फिर यूरिया को घोलें। इसके बाद पूरे घोल में लकड़ी घुमाकर अच्छी तरह मिला लें। अच्छी वर्षा न होने पर सिंचाई करें।

चिडियों से फसल को बचाने के उपाय करें।

अरगट या चेपा से प्रभावित बालियों को नष्ट कर दें तथा ऐसे पौधे या दाने न तो पशुओं को खिलाएं और न ही अपने प्रयोग में लायें। यदि बाजरे के खेत में या मेढ़ों पर घूमर घास खड़ी हो तो उसे भी अवश्य काट दें ताकि इनके संक्रमित फूलों से बाजरे पर रोग और न बढ़ सके।

धान

सिंचाई 5–6 सैं.मी. से अधिक गहरी कभी न करें। संभव हो तो पानी हर हफ्ते बदलते रहें। यदि पत्तों पर चाकलेट रंग के धब्बे दिखाई दें तरे 0.5 प्रतिशत ज़िंक सल्फेट व 2.5 प्रतिशत यूरिया के घोल के कुल 2–3 छिड़काव 10–12 दिन के अंतर पर करें।

खेतों में लगातार अधिक पानी खड़ा रहने से जीवाणुज अंगमारी (बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट) की उत्पत्ति की संभावना बढ़ जाती है। ऐसी समस्या सड़क के साथ व नहर की नालियों के साथ, जहां पेड़ों की छाया हो, ज्यादा दिखाई देती है। इसलिए खेतों में पानी अधिक न खड़ा रहने दें। अगर किसी खेत में बीमारी दिखाई दे तो उस खेत का पानी रोग रहित खेत में न जाने दें। आभासी कंडुआ से प्रभावित बालियों के ऊपर कागज़ की थैली चढ़ाकर बालियों की आधार से काटकर नश्ट कर दें। सीधी बिजाई द्वारा बीज खेत में इस माह नमी की कमी न रहे व नाइट्रोजन खाद का तीसरा भाग इस माह में डालें।

हरियाणा में सफेद व भूरे तेले से बचाव हेतु 330 मि. ली. बुप्रोफेजिन को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। आभासी कंडुआ (फाल्स स्मट) बीमारी की रोकथाम के लिए 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड दवा प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर 50 प्रतिशत बाली निकलने की अवस्था में छिड़काव करें।

मक्की

जून में बीजी गई मक्की की इस माह के अंत में कटाई करें। संकर व विजय किस्मों के पौधे फसल पकने पर भी हरे रहते हैं।

मक्की को अंगमारी व अन्य रोगों से बचाव के लिए ज़ाइनेब या मैन्कोज़ेब की 600 ग्राम मात्रा को लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ फसल पर छिड़काव करें। आवश्यकता पड़ने पर 10–15 दिन के अंतर पर पुनः छिड़कें।

कपास

कपास में इस माह नमी की कमी न आने दें। खाद के रूप में 2.5 प्रतिशत यूरिया व 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट का घोल बनाकर स्प्रे करें। इसके बाद 10 दिन के अंतराल पर दो बार पोटाशियम नाइट्रेस 1 प्रतिशत की दर से स्प्रे करें। एक तिहाई टिण्डे तैयार होने के बाद कपास में सिंचाई न करें। टिण्डा गलन की रोकथाम के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़कें।

टिण्डों की सूण्डियों की रोकथाम हेतु आवश्यकता हो तो एक छिड़काव सिफारिश की गई कीटनाशक का अवश्य करें। मीलीबग के नियंत्रण के लिए परपोशी को नश्ट करें व सिफारिश की गई कीटनाशकों का छिड़काव करें।

गन्ना

बिजाई के पाँच या छः सप्ताह बाद पत्तियों के मध्य शिरा

के पास सफेद–पीली धारियों का प्रकट होना जस्ते की कमी का लक्षण है। इसके लिए 0.5 प्रतिशत ज़िंक सल्फेट और 2.5 प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव 10–14 दिन के अंतर पर करें।

वर्षा के पानी के निकास का प्रबंध अवश्य करें। यदि ईख की बंधाई न की गई हो तो इस माह में बंधाई का काम पूरा कर लें।

यदि कंडुआ रोग नज़र आए तो सावधानी से गन्ने की दुमों के ऊपर थैली चढ़ाकर नीचे के काट लें और फिर पूरे पौधे को उखाड़कर नष्ट कर दें। लाल सड़न रोग के प्रकोप से ऊपर से प्रायः तीसरी पत्ती पीली पड़ने लगती है। ऐसे गन्नों को खेत में उखाड़कर नष्ट कर दें। गन्ने के गुरदासपुर छेदक कीड़े की रोकथाम के लिए हर सप्ताह गन्ने के ऊपर का सूखा भाग काट कर नष्ट करते जाएं। अश्टपदी (रैड माईट) से बचने के लिए 600 मि. ली. रोगोर 30 ई.सी. को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें।

मूंगफली

जिन इलाकों में 50 से 70 सैंमी वर्षा होती है वहां दो से तीन सिंचाई काफी हैं। पहली फूल आने पर तथा दूसरी सिंचाई ज़रूरत अनुसार फल बनने के दौरान करें।

यदि खरपतवार हों तो पहले हफ्ते में निराई करके निकाल दें। हो सके तो एक सिंचाई करें। पत्तियों पर भूरे–लाल रंग के धब्बे टिक्का नामक रोग की पहचान हैं, जिनकी रोकथाम के लिए लक्षण दिखते ही 400 ग्राम डाईथेन एम–45 या 200 ग्राम बाविस्टिन का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ खेत पर आवश्यकतानुसार 2 छिड़काव 10–15 दिन के अंतर पर करें। बालों वाली सूण्डी का आक्रमण हो तो 250 मि.ली. मोनोक्रोफॉस 36 एस.एल. या 500 मि.ली. क्विनलफॉस 25 ई.सी. को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

तोरिया या सरसों

तोरिया की इस माह के पहले पखवाड़े तक बिजाई अवश्यक कर लें व माह के अंत तक सरसों की बिजाई शुरू करें। अगले माह राया की बिजाई के लिए खेत की तैयारी शुरू कर दें। केवल उन्नत किस्में बोएं। तोरिया की किस्म संगम, टी एल–15 व टी एच–68, देशी सरसों की किस्म बी एस एच–1, राया–सरसों की आर एच–30, वरूणा व आर एच–781, आर एच–819, लक्ष्मी, आर एच–9304 (वसुन्धरा), आर एच–9801 (स्वर्ण ज्योति) और आर बी–9901 (गीता), आर बी 50, आर एच 0119, आर एच 406, आर एच 0749, आर एच 725, पीली सरसों की किस्म वाई एस एच 0401 तारामीरा की किस्म टी–27 ही बोएं। इन सभी जिलहनों की बिजाई सिंचित क्षेत्रों में सवा किलोग्राम व बारानी क्षेत्रों में 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ लेकर कतारों में 30 सैंटीमीटर की दूरी पर करें। ध्यान रखें कि बिजाई पोरा विधि से इस प्रकार करें कि बीज 4–5 सैंटीमीटर से अधिक गहरा न पड़े।

सरसों को तना गलन रोग से बचाने के लिए बिजाई से पहले बीज को 2 ग्राम बाविस्टिन नामक दवा से प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें। बिजाई के समय सिंचित तोरिया तथा सरसों में 25 किलोग्राम यूरिया तथा 50 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट प्रति एकड़ के हिसाब से खेत में पोर दें व बाकी 25 किलोग्राम यूरिया पहली सिंचाई के समय डाल दें। बारानी इलाकों में तोरिया, सरसों व बंगा सरसों के लिए 35 किलाग्राम यूरिया तथा 50 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट प्रति एकड़ बिजाई यूरिया व 75 किलोग्राम सुपरफास्फेट प्रति एकड़ बिजाई के समय खेत में पोर दें। यदि ज़मीन रेतीली हो और गंधक की कमी हो तो फास्फोरस का स्त्रोत सिंगल सुपर फास्फेट ही चुनें। यदि फास्फोरस डी.ए.पी. द्वारा डालें तो खेत में मिला दें क्योंकि यह गंधक का एक सस्ता एवं अच्छा स्त्रोत है। गंधक वाले रसायनों के प्रयोग से जहां तिलहनी फसलों की उपज में वृद्धि होती है वहां तेल प्रतिशतता में भी भारी सुधार होता है। ध्यान रखें कि सिंगल सुपर फास्फेट के साथ जिप्सम डालने की आवश्यकता नहीं है। यदि ज़मीन में जस्ते की कमी हो तो प्रति एकड़ बिजाई के समय 10 किलोग्राम ज़िंक सल्फेट 20–25 किलोग्राम सूखी भुरभुरी मिट्टी में मिलाकर खेत को तैयार करते समय मिला दें। राया में एजोटोबैक्टर के टीके का प्रयोग लाभप्रद है।

बरसीम

इस माह के आखिरी सप्ताह में बरसीम की बिजाई शुरू कर दें। बिजाई के लिए केवल बरसीम की सिफारिशशुदा किस्मों जैसे मैस्कावी हिसर बरसीम–1 व हिसार बरसीम–2 के शुद्ध बीजों को ही काम में लाएं।

खेत को इस प्रकार तैयार करें कि मिट्टी भुरभुरी हो जाए, खरपवार बिल्कुल न हों व खेत समतल हो। बिजाई से पहले खेत में पानी भरें। बीज, छिट्टा विधि द्वारा खेत में एकसार डालें। ध्यान रखें कि बिजाई के समय हवा न चलती हो। यदि तेज़ हवा चल रही हो तो बीज को खेत में छिड़क कर ऊपरी मिट्टी में मिलाकर शीघ्र सिंचाई कर दें। ध्यान रहे कि बीज में कासनी व अन्य खरपतवार के बीज न हों। बरसीम की पहली अच्छी कटाई लेने के लिए बरसीम के बीज के साथ 500 ग्राम जापानी सरसों या चीनी सरसों या जई का 10 कि.ग्रा. बीज प्रति एकड़ काफी है।

एक एकड़ की बिजाई के लिए लगभग 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। बिजाई के समय 22 किलोग्राम यूरिया तथा 175 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट प्रति एकड़ के हिसाब से खेत में डालें। यदि उपर्युक्त दोनों उर्वरक उपलब्ध न हों तो प्रति एकड़ 50 किलोग्राम डी.ए.पी. बिजाई के समय डास सकते है। अगर यह खेत में पहली बार बीजी जा रही हो तो राइजोबियम का टीका लगाना न भूलें। यदि बरसीम के साथ जई की मिश्रित फसल लेनी है तो 35 कि.ग्रा. अतिरिक्त यूरिया प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई के समय देनी चाहिए। तना गलन रोग से बचाव के लिए रोगरोधी किस्म हिसार बरसीम–1 या हिसार बरसीम–2 उगाएं।

चना

इन फसलों की बिजाई के लिए बीज का अभी से प्रबंध करें। किसी विश्वस्त बीज संस्था से संपर्क करें। बारानी क्षेत्रों में चने की बिजाई के लिए वर्शा के पानी को एकत्रित करने के लिए इस माह आवश्यकता अनुसार खेत की जुताई करें ताकि खरपतावार निकल जाएं। हर बार सुहागा लगाएं ताकि नमी बनी रहे। चने की बुवाई के लिए ट्रैक्टर चालित रीजर–सीडर का प्रयोग करें। यह यंत्र बारानी तथा सिंचित दोनों क्षेत्रों में चने की बुवाई के लिए उपयुक्त है। बुवाई यंत्रों का ठीक से समायोजन करके रख ले ताकि बुवाई के समय कोई कठिनाई न आये।

सोयाबीन, मूँग व उड़द

माह के अंत में सिंचाई करें। ध्यान रखें कि अधिक पानी से पौधे गल जाते हैं। विशाणु रोगों को फैलाने वाले कीड़ों की रोकथाम के लिए 400 मिलीलीटर मैलाथियान का 250 लीटर पानी में घोल बनाकर एक एकड़ पर छिड़काव करें।

किसी–किसी वर्श इन फसलों पर बिहार की बालों वाली सूण्डी, जिसे कातरा भी कहते हैं, भारी क्षति पहुंचाती है। इसकी रोकथाम के लिए 500 मि.ली. एकालक्स 25 ई.सी. या 250 मि.ली. न्यवाक्रान/मोनोसिल 36 एस.एल.को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें।

अनाज का सुरक्षित भण्डार

भण्डारों में रखे अनाज की जांच करें। यदि कीड़ा लगा हो तो एल्यूमिनियम फास्फाइड (सैल्फास/क्विकफास) की टिक्कियां डालें। भण्डार हवाबंद हों तो 1000 घन फुट (28 घन मीटर) के भण्डार के लिए 7 टिक्कियां काफी है परंतु इसमें पूरी सावधानी बरतें।

सब्जियों में

टमाटर

अगस्त में रोपी गई पौध की देखभाल करें तथा नाइट्रोजन खाद की पहली मात्रा रोपाई के लगभग 4–5 सप्ताह बाद डालें। एक एकड़ खेत में लगभग 14 किलाग्राम नाइट्रोजन (30 किलोग्राम यूरिया) देकर सिंचाई करें। नाइट्रोजन खाद की दूसरी मात्रा फसल में फूल आने की अवस्था में देनी होती है। यदि अधिक वर्शा हो तो जल निकास का प्रबंध करें तथा सूखा होने पर सिंचाई करें। सफेद मक्खी का प्रकोप होने पर 400 मिलीलीटर मैलाथियान 50 ई.सी. को 200–250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। विशाणु को फैलाने वाली सफेद मक्खी की भी मैलाथियान से रोकथाम हो जाती है।

बैंगन

खड़ी फसल में नाइट्रोजन खाद की दूसरी मात्रा (30 कि.ग्रा. यूरिया खाद प्रति एकड़) देकर सिंचाई करें। हानिकारक कीटों से बचाव के लिए पिछले माह बताई गई कीटनाशक दवाओं का क्रम से प्रयोग करें।

मिर्च

नाइट्रोजन खाद की दूसरी मात्रा (17 किलोग्राम यूरिया खाद प्रति एकड़) देकर सिंचाई करें। फसल को

हानिकारण कीटों से बचाने के लिए पिछले माह बताई गई दवाइयाँ का प्रयोग करें। फल का गलना व टहनीमार रोग के नियंत्रण के लिए 400 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराईड या इण्डोफिल एम–45 को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से 10–15 दिन के अंतर पर छिड़कें। फल–फूल गिरने से बचाव के लिए प्लेनोफिक्स या वर्धन नामक दवा के घोल का छिड़काव करें। 40 मिलीलीटर दवा को 180 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल पर पहला छिड़काव फूल आने पर करें तथा दूसरा छिड़काव उसके लगभग 3 सप्ताह बाद करें।

भिण्डी

खड़ी फसल में नाइट्रोजन खाद की दूसरी मात्रा (किलोग्राम यूरिया खाद प्रति एकड़) देकर सिंचाई करें। हानिकारक कीड़ों (हरा तेला व चित्तीदार सूण्डी) से बचाव के लिए पिछले माह बताई गई दवा को क्रम से दिन के अंतर पर बारी–बारी से छिड़कें। दवा के छिड़काव से पहले फलों को तोड़ लें तथा दवा प्रयोग के बाद एक सप्ताह तक फलों को खाने के काम में न लें।

कदू जाति की सब्जियां

नाइट्रोजन खाद की दूसरी मात्रा (12 किलोग्राम यूरिया खाद प्रति एकड़) देकर सिंचाई करें। हानिकारक कीटों व बीमारियों से रक्षा करें। इस माह फल की मक्खी का प्रकोप बहुत होता है। इसके लिए 400 मि.ली. मैथाथियान 50 ई.सी.को 1250 ग्राम गुड़ और 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। तेला, चेपा, अश्टपदी माईट के लिए 250 मि.ली. मैलाथियान 50 ई. सी. का छिड़काव करें।

शकरकन्दी

शकरकन्दी की फसल में नाइट्रोजन खाद की दूसरी मात्रा (35 किलोग्राम यूरिया खाद प्रति एकड़) देकर मिट्टी चढ़ा दें तथा सिंचाई करें। यदि आवश्यकता हो तो कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें।

अरबी

अरबी की फसल में नाइट्रोजन खाद की दूसरी मात्रा (17 किलोग्राम यूरिया खाद प्रति एकड़) देकर मिट्टी चढ़ा दें तथा सिंचाई करें।

फूलगोभी

अगेती किस्म (पूसा कातकी) के खेत की उचित देखभाल करें। सिंचाई करें तथा रोपाई के लगभग तीन सप्ताह बाद प्रति एकड़ 35 किलोग्राम किसान खाद (16 कि.ग्रा. नाइट्रोजन) तथा फूल आने की अवस्था में भी 35 किलाग्राम यूरिया खाद (16 किलोग्राम नाइट्रोजन) से टॉप ड्रैसिंग करें। नाइट्रोजन खाद देने के बाद सिंचाई करें। मध्य मौसमी किस्मों (हिसार–1) की पौध नर्सरी में तैयार हो रही होगी, तब तक खेत की तैयारी करें। पौध इस माह के अंत तक या अकतूबर के शुरू में लगाने योग्य हो जाएगी। अगेती किस्मों में पौध लगाने की दूरी 45–30 सै.मी. तथा मध्यम वर्ग में 60–60 सैं.मी. रखें। पछेती किस्म (स्नोबाल–16) की बिजाई भी नर्सरी में इस माह के अंत में शुरू की जा सकती है। इस समय अगेती गोभी को सूण्डी आदि के प्रकोप से बचाने के लिए 400 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. के 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल पर हर 10 दिन बाद छिड़काव करें।

बन्दगोभी व गांठगोभी

बन्दगोभी व गांठगोभी की बिजाई, पौध तैयार करने के लिए, नर्सरी में करें। बन्दगोभी की अगेती किस्में, प्राइड आफ इण्डिया या गोल्डन लगाएं। एक एकड़ के लिए लगभग 200–250 ग्राम बीज की आवश्यकता होगी। गांठ–गोभी किस्म, अर्ली हाईट वियाना प्रयोग करें। 800 ग्राम बीज प्रति एकड़ खेत के लिए पौध तैयार होने में लगभग 5–6 सप्ताह का समय लगेगा। इस बीच खेत की तैयारी करें। बीज को बोने से पहले कैप्टान नामक दवा से उपचारित (2.5 ग्राम दवा प्रति किलाग्राम बीज की दर से) करें।

पालक

बिजाई के लगभग 4 सप्ताह बाद नाइट्रोजन खाद की पहली मात्रा दें तथा उसके लगभग 4 सप्ताह बाद दूसरी मात्रा देकर सिंचाई करें। प्रत्येक कटाई के बाद 16 किलोग्राम नाइट्रोजन खाद (35 कि.ग्रा. यूरिया) प्रति एकड़ की दर से दें तथा उसके बाद सिंचाई करें। पालक की नई बिजाई भी इस माह कर सकते हैं।

मूली, शलगम व गाजर

बिजाई के लगभग एक माह बाद 13 किलोग्राम नाइट्रोजन (26 किलोग्राम यूरिया खाद) प्रति एकड़ देकर चढ़ा दें तथा सिंचाई करें।

खरीफ प्याज़

रोपाई की गई फसल की देखभाल करें। खरपतवार निकालें, सिंचाई करें व जल का निकास करें।

अन्य सब्जियां

आलू के लिए खेत की तैयारी करें तथा अच्छे बीज (कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी जवाहर, कुफरी सिंदूरी, कुफरी बादशाह या कुफरी सतलुज, कुफरी बहार व कुफरी पुठकर किस्में 10–12 क्विंटल/एकड़ की दर से) का प्रबंध करें। सलाद की बिजाई नर्सरी में इस माह की जा सकती है। एक एकड़ के लिए 300–400 ग्राम बीज की आवश्यकता होगी। अगेती मेथी तथा धनिया (हरी सब्जी) की भी बिजाई इस माह की जा सकती हे।

फलों में

फलदार पौधे लगाने के लिए वर्शा का मौसम सबसे अच्छा रहता है जिस दिन हल्की वर्शा हो या मौसम अच्छा हो उस दिन आप अमरूद, आंवला, बेर जाति के फल, बेल पत्थर, आम, चीकू इत्यादि के पौधे सही समय पर सही तरीके से लगा सकते हैं।

फल उत्पादकों को जिन बातों की तरफ ध्यान देना है वे हैं –पौधे लगाना, नये लगाये हुए पोधों की देखभाल करना, देसी फुटाव करना, सिंचाई करना, खाद डालना, निराई –गोड़ाई करना, रबी की फसल की बिजाई के लिए कतारों के बीच ज़मीन तैयार करना आदि। अगर पौधे कमज़ोर दिखाई देते हों तो उनमें दो बार (75 ग्राम प्रति पौधा) यूरिया खाद डालें और सिंचाई करें। नींबू वर्गीय पौधों में टहनियां तेज़ी से बढ़ती हैं और इनके पत्ते प्रायः बड़े होते हैं। इस तरह की टहनियां पेड़ के आकार को बिगाड़ देती हैं। इसलिए ये वाटर स्पराउट काट दें। सूक्ष्म तत्व के दो छिड़काव पौधों पर करें। पहले छिड़काव में ज़िंक सल्फेट एक कि.ग्रा., यूरिया 2 कि.ग्रा. को 200 लीटर पानी में मिलाकर मई–जून में करें। दूसरा छिड़काव अगस्त–सितम्बर में करें। नींबू जाति के फलों में तुड़ाई से पूर्व फलों के गिरने की समस्या होती है। इस समस्या को रोकने के लिए 2,4–डी–6 ग्राम, ज़िंक सल्फेट 3 कि.ग्रा., 1.5 कि.ग्रा. चूना और आरियोफन्जिन 12 ग्राम को 550 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। जिन फलदार पौधों में छाल खाने वाली सूण्डी की समस्या है उनमें दवाई मिले घोल का कीड़े के सुराख के चारों तरफ लेप कर दें। दस लीटर पानी में 10 मि.लीा मोनोक्रोटोफास 36 एस.एल. मिलाकर लेप बनाएं।

अंगूर

बालों वाली सूण्डियां पत्तों तेज़ी से खाती है। यदि आवश्यकता हो तो 500 लीटर पानी में 500 मि.ली. मोनाक्रोटोफॉस (नुवाक्रान/मोनासील) 36 डब्ल्यू.सी. घोल कर एक एकड़ में छिड़काव करें। यदि वर्शा लगातार होती रहे तो बीमारियों को रोकने के लिए 0.2 प्रतिशत बाविस्टिन (2 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी) का घोल बनाकर इस माह के दूसरे सप्ताह में छिड़काव करें। पौधों में सिंचाई न करें।

नींबू जाति के बाग

नींबू जाति के पौधों को कीड़ों से बचाने के लिए 500 मि. ली. मोनोक्रोटोफॉस 36 एस.एल. को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ बाग में छिड़कव करें।

अमरूद

यदि पिछले महीने खाद न डाली हो तो इस महीने खाद व उर्वरक पौधों की उम्र के हिसाब से डालें। (विल्ट) रोग शुरू हो जाए तो हर पौधे के थांवले में 15 ग्राम बाविस्टिन डालकर पानी लगा दें। पौधों पर 3 ग्राम ज़िंक सल्फेट 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

तकनीकी सहायता :

1. सुनील कुमार ढ़ाण्डा, सह निदेशक (कृषि परामर्श सेवा)
2. सतपाल बलौदा, सहायक वैज्ञानिक (बागवानी)
3. राकेश कुमार, वरिश्ठ जिला विस्तार विशेशज्ञ (पादप रोग)
4. तरूण वर्मा, वरिश्ठ जिला विस्तार विशेशज्ञ (कीट विज्ञान)
5. रोहतास कुमार, सहायक वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)
6. करमल सिंह, सह वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) एवं अध्यक्ष, कपास अनुभाग
7. सूबे सिंह, सहायक निदेशक (विस्तार शिक्षा)

हरियाणवी कविता

सहकारिता अपनाओ

सहकारिता अपनाओ न्यु घर घर मैं प्रचार करो
लाभ और हानि मैं सबका हिस्सा कट्ठे हो रोजगार करो
बणा सोसाइटी गांव-गांव मैं काम चलाणा चाहिए
एक दूसरे के दुख सुख मैं हाथ बटाणा चाहिए
समय पै ल्यो और समय पै दयो यू नारा लाणा चाहिए
जितना चालै बोझ आराम तै उतना ठाणा चाहिए
मिल बाट कै खाणा चाहिए इब मतन्या ज्यादा वार करो

सौरव अत्री
प्रचार अधिकारी, हरकोफैड

जीवन

इस जीवन की चादर में,
सासों के ताने बाने है
दुःख की थोड़ी सी सलवट है
सुख के कुछ फुल सुहाने है
क्यों सोचे-आगे क्या होगा
अब कल के कौन ठिकाने है
ऊपर बैठा वो बाजीगर जाने क्या मन मैं ठाने है
चाहे जितना भी जतन करें
भरने का दामन तारों से
झोली में वो ही आएँगें
जो तेरे नाम के दाने है।

अनीता ढ़ाका
लिपिक, हरकोफैड

NANO TECHNOLOGY
NANO UREA & DAP

SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirabhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit

World's First Nano Fertilizer by IFFCO

500 ML Bottle ₹225/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
IFFCO Nano UREA Plus Liquid

500 ML Bottle ₹600/- only
IFFCO Nano DAP Liquid

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

हरकोफैड के प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल हरियाणा के सभी जिलों के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी एवं शिक्षा अनुदेशकों के साथ वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2025–26 के बारे में बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

सुश्री अदिति सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां सफीदों को माननीय राज्य सभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा के द्वारा जींद में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस पर प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264